कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जागृति

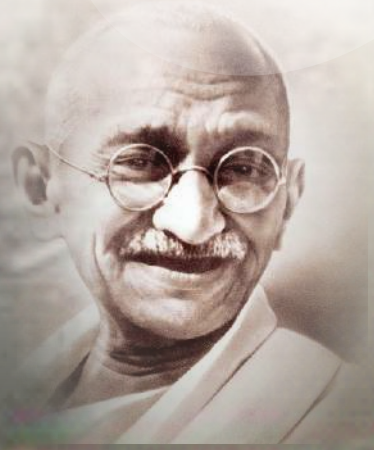

वर्ष: 65 अंक: 12 मुम्बई नवम्बर 2021

खादी ने लेह में विश्व का सबसे बड़ा खादी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

वर्ष: 65 अंक: 12 मुम्बई, नवम्बर 2021

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

संजय सोमदे
वरिष्ठ कलाकार

चंद्रशेखर पुनवटकर
कलाकार

दिलिप पालकर
कलाकार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार **03-21**

खादी ने लेह में विश्व का सबसे बड़ा खादी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी.....03

खादी को 60 नए डिजाइनों के साथ आधुनिकता मिलेगी : खादी फैशन शो में नवोदित फैशन डिजाइनर्स को केवीआईसी पुरस्कार प्रदान किए गए.....05

कनॉट प्लेट, नई दिल्ली स्थित खादी के मुख्य आउटलेट ने गांधी जयंती पर 1.02 करोड़ रुपये की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया.....07

एमएसएमई मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया: एनवीसीएफएल नियामक मंजूरी और योगदान समझौते पर हस्ताक्षर.....08

गुजरात में 2 अक्टूबर को खादी की बिक्री बढ़ी; पिछले रिकॉर्ड टूटे.....10

नए ऑनलाइन सिस्टम पर एमएसएमई/ उद्यम के पंजीकरण का आंकड़ा 50 लाख पार पहुंचा 10

कारीगरों और पारंपरिक कलाओं को मजबूत करने के लिए वाराणसी में खादी प्रदर्शनी और खादी कारीगर सम्मेलन का उद्घाटन.....11

आयोग के अध्यक्ष ने वाराणसी में खादी भवन के निर्माण की आधारशिला रखी.....13

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने इंडिया एक्सपोर्ट पहल और इंडियाएक्सपोर्ट्स 2021 पोर्टल का लोकार्पण किया.....14

केवीआईसी ने मुख्यालय, मुंबई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया.....15

केवीआईसी ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया.....16

विविध.....17

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया .....22 से 28

खादी ने लेह में विश्व का सबसे बड़ा खादी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

गर्व और देशभक्ति, भारतीयता की सामूहिक भावना तथा खादी की विरासत शिल्प कला ने खादी सूती कपड़े से बने विश्व के सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज को 2 अक्तूबर, 2021 को लेह में सलामी देने के लिए पूरे देश को एक सूत्र में बांध दिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने महात्मा गांधी को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए स्मारक खादी राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया है, जिन्होंने दुनिया को पर्यावरण के सबसे अनुकूल कपड़ा खादी हमें उपहार में दिया था।

ध्वज का अनावरण लद्दाख के उपराज्यपाल श्री आर. के. माथुर ने किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज प्रत्येक भारतीय को देशभक्ति की भावना से बांधेगा। अनावरण के अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, लद्दाख के सांसद श्री जे. टी. नामग्याल और थल सेनाध्यक्ष जनरल श्री एम. एम. नरवणे उपस्थित थे।

स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज 225 फीट लंबा, 150 फीट चौड़ा है और इसका भार (लगभग) 1400 किलोग्राम है। इस स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज को बनाने के लिए खादी कारीगरों और संबद्ध श्रमिकों ने लगभग 3500 घंटे का अतिरिक्त कार्य किया है। झंडा बनाने में हाथ से काते एवं हाथ से ही बुने हुए खादी कॉटन ध्वज पट्ट का उपयोग किया गया है जिसकी लंबाई काफी ज्यादा 4600 मीटर है, जो हैरान कर देने वाली है। यह 33,750 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल को कवर करता है। ध्वज में अशोक चक्र का व्यास 30 फीट है और इस झंडे को तैयार करने में 70 खादी कारीगरों को 49 दिन लगे थे।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा, "स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में एक स्मारकीय राष्ट्रीय ध्वज रखना माननीय प्रधान मंत्री का सपना था जो विविधता में भारत की अखंडता, इसके पुनरुत्थान, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के

बलिदान और खादी कारीगरों की शिल्प कौशल का प्रतीक है। यह झंडा न केवल प्रधानमंत्री के सपने को पूरा कर रहा है बल्कि महात्मा गांधी और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी उचित श्रद्धांजलि होगी। साथ ही, ध्वज देशवासियों में देशभक्ति की भावना जगाएगा क्योंकि ध्वज को पूरे भारत में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में प्रदर्शित किया जाएगा।"

केवीआईसी ने स्वतंत्रता के 75 वर्ष होने पर "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए ध्वज की अवधारणा की तैयारी की है। चूंकि, इस परिमाप के राष्ट्रीय ध्वज को संभालने और प्रदर्शित करने के लिए अत्यंत सावधानी तथा सटीकता की आवश्यकता होती है, इसलिए केवीआईसी ने यह ध्वज भारतीय सेना को सौंप दिया है। सेना ने मुख्य लेह शहर में एक पहाड़ी की चोटी पर झंडा प्रदर्शित किया है और इसके लिए एक विशेष फ्रेम तैयार किया गया है ताकि वह जमीन को न छुए।

ध्वज को 9 बराबर भागों में विभाजित किया गया है, हरेक का वजन 100 किलो है और प्रत्येक हिस्से की माप 50 x 75 फीट है। इसके चारों तरफ नेफा दिया गया है, जिसमें 12 एमएम की रस्सी भी है। लगभग 3000 किलोग्राम की ब्रेकिंग लोड क्षमता के साथ कुल 12 उच्च गुणवत्ता वाली नायलॉन की रस्सियां - यानी ऊपर और नीचे की तरफ 3 रस्सियां तथा बाएं व दाएं तरफ 3 रस्सियां प्रदान की गई हैं।

इसके अलावा, प्रत्येक रस्सी के दोनों सिरों पर एक लूप होता है जो सामूहिक रूप से ध्वज का भार वहन कर सकता है। झंडे को बनाने के लिए इन हिस्सों को एक साथ सिला गया है और जोड़ों को इस तरह से मिलाया गया है कि नेफा के अंदर की रस्सियां अदृश्य रहेंगी। नेफा की अंदरूनी परत रासायनिक तरीके से लेपित खादी बंटिंग से बनी होती है, जो रस्सियों से घर्षण को कम करती है और ध्वज के कपड़े को नुकसान से बचाती हैं। झंडे के रंगों के साथ विलय करने के लिए नेफा भी तीन रंगों में दिया गया है।

खादी को 60 नए डिजाइनों के साथ आधुनिकता मिलेगी

खादी फैशन शो में
नवोदित फैशन डिजाइनर्स को केवीआईसी पुरस्कार प्रदान किए गए

खादी की सादगी, शुद्धता और निरंतरता का सार खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा नई दिल्ली में 27 अक्तूबर 2021 को होटल अशोक में आयोजित खादी फैशन शो के माध्यम से प्रदर्शित की गई।

मशहूर डिजाइनर और केवीआईसी सलाहकार श्री सुनील सेठी के नेतृत्व में फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) द्वारा आयोजित इस फैशन शो में 10 नवोदित फैशन डिजाइनरों द्वारा 60 डिजाइन प्रदर्शित किए गए, जिन्हें केवीआईसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय खादी डिजाइनर प्रतियोगिता के माध्यम से चुना गया था। इस अवसर पर पहले 3 डिजाइनरों को सम्मानित भी किया गया।

डिजाइनर स्वाति कपूर को खादी को सबसे नैतिक और टिकाऊ कपड़ों के रूप में चित्रित करने के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ पहला इनाम मिला। यह संग्रह सैमुअल टेलर कोलरिज की 19वीं सदी की कविता "कुबला खान" से प्रेरित था। उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग, हैंड क्रोकेट और हाथ की कढ़ाई और अन्य प्रकार के फैब्रिक मैनिपुलेशन के साथ सादे और सेल्फ चेक में बढ़िया खादी मलमल के कपड़े का इस्तेमाल किया।

डिजाइनर ध्रुव सिंह को 5 लाख रुपये के नकद इनाम के साथ दूसरा रनर अप घोषित किया गया। अनारबाग नाम का उनका संग्रह कार्तिक के महीने में पूर्णिमा की रात में कृष्ण के अपने भक्तों/प्रेमियों के साथ नृत्य से प्रेरित है। उनका यह विचार

था कि खादी को पहनावा बनाकर थोड़ा उत्सव का रूप दिया जाए जो शरीर को आराम और सहजता के साथ फैशनेबल परिधान पहनने का अनुभव देता हो। उन्होंने सादा खादी सूती कपड़े का इस्तेमाल किया और सभी पहनावे पर बनाए गए डिज़ाइन पूरी तरह से बंगाल और गुजरात के कारीगरों द्वारा हाथ से कढ़ाई की जाती है, हाथ से मुड़ी हुई शुद्ध जरी के 6 तारों का उपयोग किया जाता है।

दो डिजाइनरों, कौशल सिंह और गौरव सिंह ने 2-2 लाख रुपये का तीसरा पुरस्कार जीता। कौशल ने सादा बुनाई वाली खादी और नीली खादी डेनिम का उपयोग किया। प्रिंट आर्टवर्क अच्छे कलाकारों द्वारा बनाया गया था, जिसे स्क्रीन में परिवर्तित किया गया था और कपड़े पर प्रिंट किया गया था। डिजाइनर गौरव ने शून्य अपशिष्ट डिजाइन तकनीक और कंट्रास्ट सिलाई लाइन विवरण का उपयोग करके खादी सूती कपड़े का भी इस्तेमाल किया।

अखिल भारतीय खादी डिजाइनर प्रतियोगिता का आयोजन नए डिजाइन हस्तक्षेपों को पेश करने और खादी में एक आधुनिक कड़ी जोड़ने के लिए किया गया था। केवीआईसी को देश भर के युवा फैशन डिजाइनरों से 393 नामांकन प्राप्त हुए । फैशन डिजाइनरों, डिजाइन संस्थानों के विशेषज्ञों और केवीआईसी के शीर्ष अधिकारियों की एक स्क्रीनिंग कमेटी का गठन 10 सर्वश्रेष्ठ डिजाइनरों को चुनाव करने के लिए किया गया था। निर्णायक समिति द्वारा शो के दौरान शीर्ष 3 डिजाइनरों का चयन किया गया था।

केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इन प्रतियोगियों की डिज़ाइन किए गए कपड़ों को जल्द ही खादी इंडिया के आउटलेट्स पर डिजाइनर परिधान के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा । यह विचार युवा पीढ़ी को खादी की ओर आकर्षित करने के लिए ऐसे कपड़ों के साथ है जो आरामदायक, पहनने में आसान और आधुनिक हों।

श्री सक्सेना ने कहा, "खादी स्वतंत्रता पूर्व युग में सामाजिक परिवर्तन का एक साधन रहा है और आधुनिक समय में लचीलापन, पुनरुत्थान और आत्मनिर्भरता के एक उपकरण में बदल गया है और महान स्वतंत्रता सेनानियों की एक विनम्र पोशाक से, खादी फैशन और परम वैभवता के प्रतीक के रूप में विकसित हुई है। यह पहली बार है जब केवीआईसी ने अखिल भारतीय डिजाइनर प्रतियोगिता का आयोजन किया और भारी भागीदारी अपने आप में युवाओं के बीच खादी की लोकप्रियता की अभिव्यक्ति है।"

☼☼

कनॉट प्लेट, नई दिल्ली स्थित खादी के मुख्य आउटलेट ने गांधी जयंती पर 1.02 करोड़ रुपये की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

2 अक्तूबर, 2021: प्रधानमंत्री की अपील और खादी प्रेमियों के उत्साह की बदौलत गांधी जयंती पर दिल्ली के कनॉट प्लेट स्थित आउटलेट से खादी की बिक्री का आंकड़ा एक बार फिर 1 करोड़ रुपये को पार कर गया है। 2 अक्टूबर को, खादी उत्पादों की कुल बिक्री 1,01,66,000 रुपये (1.02 करोड़ रुपये) रही, जो महामारी के दौर में कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद काफी अधिक है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 2 अक्टूबर को सभी खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों पर अपनी परंपरागत विशेष त्योहारी छूट को भी लांच किया।

2018 के बाद से यह लगातार चौथा साल है, जब 2 अक्टूबर को कनॉट प्लेस शोरूम ने खादी की बिक्री का 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। पिछले साल 2 अक्टूबर को 1.02 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी, जबकि 2 अक्टूबर 2019 को 1.27 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी, जोकि खादी की अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। वहीं 2018 में 2 अक्टूबर को 1.06 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बिक्री के आंकड़ों में हुई बढ़ोतरी की वजह प्रधानमंत्री द्वारा खादी खरीदने की लगातार की गई अपील और जनता के बीच खादी की बढ़ती स्वीकार्यता को बताया है। खादी दुनिया में पर्यावरण के अनुकूल सबसे अच्छा उत्पाद है, जो सभी वर्गों और आयु समूहों के लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। कोविड -19 के दौर में, पर्यावरण के अनुकूल और हर्बल उत्पादों की मांग में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के बावजूद केवीआईसी उच्च गुणवत्ता मानकों को रखते हुए, अपने ग्राहकों का विस्तार करने के लिए लगातार नए उत्पादों को जोड़ रहा है।

पिछले वर्ष की तरह, 2021 में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण, लॉकडाउन की वजह से खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन प्रभावित हुआ था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कई मौकों पर लोगों से खादी खरीदने की अपील करते रहे हैं। 26 सितंबर को "मन की बात" के अपने ताजा एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने लोगों से त्योहारी मौसम के दौरान खादी खरीदने और खादी की बिक्री के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ने की अपील की है।

एमएसएमई मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया

एनवीसीएफएल नियामक मंजूरी और योगदान समझौते पर हस्ताक्षर

केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारियों को एमएसएमई क्षेत्र का उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह इस क्षेत्र के कार्य निष्पादन में भारी उछाल देखना चाहते हैं, जिसके लिए मंत्रालय के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने समाज की बेहतरी के लिए मंत्रालय द्वारा समग्र रूप से खर्च बढ़ाने का आह्वान किया। श्री राणे ने एमएसएमई क्षेत्र के माध्यम से भारत के निर्यात में भारी उछाल की संभावना की ओर इशारा किया, जिससे उच्च सकल घरेलू उत्पाद प्राप्त किया जा सकता है।

एमएसएमई मंत्री 12 अक्तूबर, 2021 को नई दिल्ली में एनएसआईसी, एनवीसीएफएल और एसवीएल के अधिकारियों द्वारा अंशदान समझौते पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उनके साथ एमएसएमई में राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, मंत्रालय में सचिव श्री बी बी स्वैन, एनएसआईसी के सीएमडीऔर एनवीसीएफएल की अध्यक्ष सुश्री अलका अरोड़ा और एसवीएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्री के. सुरेश भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप, वित्त मंत्री ने वृद्धि पूंजी हासिल करने में एमएसएमई के सामने मौजूद भारी कमी को दूर करने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए फंड ऑफ फंड्स बनाने

की घोषणा की थी। नतीजतन, एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के एक मिनी रत्न निगम- राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड – एनएसआईसीकी 100% सहायक कंपनी एनएसआईसी वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड (एनवीसीएफएल)को शामिल किया गया था। एनवीसीएफएल ने आत्मनिर्भर भारत कोष (एसआरआई कोष) को मजबूत बनाया जिसका उद्देश्य 10,006 करोड़ रुपये के लक्ष्य कोष और पूंजी, आभासी पूंजी और ऋण के माध्यम से वृद्धि पूंजी के रूप में एमएसएमई की प्रगति का प्रावधान करने के लिए उद्यम कोष का समर्थन करना था जिसकी एआईएफ नियामक के अंतर्गत इजाजत दी गई है। अन्य बातों के साथ-साथ, इस कोष को संस्थागत निवेशक और प्रायोजक के रूप में एनएसआईसी द्वारा

एमएसएमई मंत्रालय में निवेश किया जाएगा।

एसबीआईसीएपीवेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल) को निवेश प्रबंधक के रूप में और खेतान एंड कंपनी को एनवीसीएफएल के कानूनी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। एनवीसीएफएल ने निवेश की जानकारी देने वाले संभावित निवेशकों को दिए जाने वाले दस्तावेज- प्राइवेट प्लेसमेंट मेमोरेंडम (पीपीएम) को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के रिकॉर्ड में रखा है ताकि एसआरआई कोष को श्रेणी II वैकल्पिक निवेश कोष के रूप में पंजीकृत किया जा सके जिसे सेबी ने 1 सितंबर 2021 को पंजीकृत किया था।

एसआरआई कोष एमएसएमई क्षेत्र की इक्विटी निधीयन चुनौतियों का समाधान करेगा और उन्हें अपनी बाधाओं को तोड़ने, निगमीकरण को प्रोत्साहित करने और वैश्विक चैंपियन बनने के लिए अपनी पूर्ण अंतर्निहित क्षमता को विकसित करने की अनुमति देगा। सरकारी हस्तक्षेप के साथ, कोष विभिन्न प्रकार के कोषों को अपर्याप्त सेवा वाले एमएसएमई में दिशा देने और व्यवहार्य और उच्च विकास वाले एमएसएमई की वृद्धि जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा।

❄❄

गुजरात में 2 अक्टूबर को खादी की बिक्री बढ़ी; पिछले रिकॉर्ड टूटे

अहमदाबाद, 14 अक्तूबर, 2021 : प्रधानमंत्री की अपील के अनुरूप, इस गांधी जयंती में महात्मा की भूमि, गुजरात में खादी उत्पादों की बड़े पैमाने पर बिक्री हुई। इस साल 2 अक्टूबर को, गुजरात के सभी 311 खादी इंडिया केन्द्रों पर खादी उत्पादों की कुल बिक्री 3.25 करोड़ रुपये रही।

गुजरात में इस वर्ष खादी की बिक्री में 33.12 लाख रुपये की बढ़ोतरी हुई जो वर्ष 2020 की तुलना में 11.32 प्रतिशत अधिक है, जब 2 अक्टूबर को राज्य में खादी की सकल बिक्री 2.92 करोड़ रुपये हुई। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर, जिसने कुछ महीने पहले गुजरात को बुरी तरह प्रभावित किया था, उसके बाद की स्थिति को देखते हुए इस साल बिक्री का आंकड़ा काफी अधिक है।

खादी की बिक्री को विशेष बढ़ावा देने के लिए, केवीआईसी ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट रेलवे स्टेशनों पर "आजादी का अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में प्रदर्शनी और बिक्री केन्द्र स्थापित किए थे, जहां खादी की 5.14 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई। इसके अलावा, केवीआईसी ने अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, इसरो और जीएसटी मुख्यालयों में विशेष खादी प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया, जहां खादी उत्पादों की क्रमशः 3.94 लाख रुपये, 6.42 लाख रुपये और 2.25 लाख रुपये की बिक्री हुई।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी को खरीदने और बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री की लगातार अपील और गुजरात की जनता के खादी को अपनाने को दिया। उन्होंने कहा, केवीआईसी चुनौतियों के बावजूद उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए बड़े उपभोक्ता आधार को पूरा करने के लिए लगातार नए उत्पाद जोड़ रहा है।

नए ऑनलाइन सिस्टम पर एमएसएमई/ उद्यम के पंजीकरण का आंकड़ा 50 लाख पार पहुंचा

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा 28 सितंबर, 2021 को शुरू की गई एमएसएमई/ उद्यम पंजीकरण की नई ऑनलाइन प्रणाली समय और प्रौद्योगिकी की कसौटी पर खरा उतरी है क्योंकि अब तक 50 लाख से अधिक उद्यम इस पर सफलतापूर्वक अपना पंजीकरण करा चुके हैं। इनमें 47 लाख से अधिक सूक्ष्म संगठन और 2.7 लाख लघु इकाइयां शामिल हैं। 1 जुलाई, 2020 से यह पंजीकरण सुविधा चालू हुई थी।

यह उल्लेखनीय है कि एमएसएमई मंत्रालय ने एमएसएमई की परिभाषा और पंजीकरण की प्रक्रिया को दिनांक 1 जुलाई 2015 से बदल दिया था। इसने एमएसएमई/ उद्यम पंजीकरण (https://udyamregistration.gov.in) के लिए एक नया पोर्टल भी लॉन्च किया था। तब से पोर्टल सुचारू रूप से काम कर रहा है। यह पोर्टल सीबीडीटी और जीएसटी नेटवर्क के साथ-साथ जीईएम के साथ भी एकीकृत है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि इस एकीकरण के माध्यम से अब एमएसएमई पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया कागज रहित हो गई है।

उद्यम जो अभी तक पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें एमएसएमई मंत्रालय और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा दिए जाने वाले लाभों का फायदा उठाने के लिए अपना पंजीकरण कराना चाहिए। पंजीकरण निःशुल्क है और केवल सरकारी पोर्टल पर ही किया जाना चाहिए। किसी भी सहायता के लिए, उद्यमी मंत्रालय के पास के डीआईसी या चैंपियंस कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं या https://champions.gov.in पर लिख सकते हैं।

कारीगरों और पारंपरिक कलाओं को मजबूत करने के लिए वाराणसी में खादी प्रदर्शनी और खादी कारीगर सम्मेलन का उद्घाटन

17 अक्टूबर, 2021 को वाराणसी में 20 भारतीय राज्यों के उत्कृष्ट हस्तशिल्प खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली अत्याधुनिक खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

माननीय केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने वाराणसी में रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और स्थानीय विधायकों की उपस्थिति में एक अत्याधुनिक खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके अलावा केवीआईसी ने एक "खादी कारीगर सम्मेलन" भी आयोजित किया, जिसमें 2000 से अधिक खादी कारीगरों ने हिस्सा लिया। इनमें अधिकांश कारीगर आस-पास के 12 जिलों जैसे प्रयागराज, जौनपुर, गाजीपुर और सोनभद्र आदि की महिलाएं भी थीं।

प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, लेह-लद्दाख, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के खादी संस्थाओं के कुल 105 स्टाल लगाए गए। कई खादी संस्थाओं, पीएमईजीपी इकाइयों और विभिन्न राज्यों के कई स्फूर्ति

क्लस्टरों ने भी अपने स्टॉल लगाए।

जम्मू और कश्मीर के प्रीमियम हाई एल्टीट्यूड शहद सहित उत्कृष्ट खादी उत्पादों की एक श्रृंखला, कश्मीरी व राजस्थानी ऊनी शॉल की एक विस्तृत विविध किस्म, पश्चिम बंगाल से मलमल का कपड़ा, पश्चिम बंगाल व बिहार से रेशमी कपड़े की एक किस्म, पंजाब से कोटि शॉल, कानपुर से चमड़े के उत्पाद, राजस्थान व उत्तर प्रदेश से मिट्टी के बर्तन, मिर्जापुर और प्रयागराज के व्यापक रूप से प्रशंसित हाथ से बुने हुए कालीन इस प्रदर्शनी के सबसे बड़े आकर्षण रहे। कोविड -19 लॉकडाउन के बाद से वाराणसी में केवीआईसी की यह दूसरी ऐसी प्रदर्शनी है।

केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने खादी प्रदर्शनी और खादी कारीगर सम्मेलन आयोजित करने के लिए केवीआईसी की सराहना करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य कारीगरों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वाराणसी विभिन्न खादी गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरा है। कताई, बुनाई, मधुमक्खी पालन और मिट्टी के बर्तन बनना जैसी लगभग सभी ग्रामीण व पारंपरिक कलाओं को यहां बड़े

पैमाने पर बढ़ावा दिया गया है, जिसने कारीगरों के लिए स्वरोजगार पैदा किया है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है।

उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इन कारीगरों को अपने उत्पादों के विपणन और अपनी आय बढ़ाने के लिए एक बड़ा मंच भी प्रदान करेगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय सक्सेना ने कहा कि वाराणसी में राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी "आत्मनिर्भर भारत" के लिए खादी कारीगरों की प्रतिबद्धता की एक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि केवीआईसी ने पारंपरिक कलाओं को मजबूत करने व स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए बड़ी संख्या में खादी संस्थाओं, पीएमईजीपी इकाइयों और स्फूर्ति क्लस्टरों की स्थापना की है।

श्री सक्सेना ने कहा, "यह प्रदर्शनी एक अनूठा मंच है जहां वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के लोग जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तराखंड और अन्य राज्यों से हस्तनिर्मित खादी उत्पाद खरीद सकते हैं। यह 'वोकल फॉर लोकल' पहल के लिए एक बड़ा बढ़ावा होगा और खादी को भी बढ़ावा मिलेगा।"

विशेष रूप से वाराणसी, जो प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र भी है, में खादी को बढ़ावा देने और कारीगरों की सहायता करने के लिए कई गतिविधियां शुरू की गयी हैं। वाराणसी में वर्तमान में 134 खादी संस्थाएं कार्यरत हैं, जहां महिलाएं कुल कार्यबल का लगभग 80 फीसदी हिस्सा हैं।

आयोग के अध्यक्ष ने वाराणसी में खादी भवन के निर्माण की आधारशिला रखी

केवीआईसी के मंडलीय कार्यालय, वाराणसी के परिसर में केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा खादी भवन के निर्माण के लिए 18/10/2021 को शिलान्यास किया गया। शहर के बीचो-बीच खादी भवन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग के सभी अनूठे उत्पादों को खादी प्रेमियों के साथ-साथ देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों को उपलब्ध कराना है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ने इंडिया एक्सपोर्ट पहल और इंडियाएक्सपोर्ट्स 2021 पोर्टल का लोकार्पण किया

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे ने 29 अक्तूबर, 2021 को नई दिल्ली में इंडिया एक्सपोर्ट पहल और इंडियाएक्सपोर्ट्स 2021 पोर्टल ऑफ इंडिया एसएमई फोरम का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस मौके पर उनके साथ राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री राणे ने एमएसएमई की मदद से निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने और चालू वित्तीय वर्ष में 400 बिलियन अमरीकी डॉलर के लक्ष्य को पाने तथा 2027 तक निर्यात में 1 ट्रिलियन डॉलर के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्यात बढ़ाने और स्थानीयकरण सुनिश्चित करने के लिए भारत के विनिर्माण आधार में सुधार करके देश को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनाना आवश्यक है। यह लक्ष्य भारत के प्रतिस्पर्धात्मक लाभ में वृद्धि करके या एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर तथा भारत को विश्व के लिए विनिर्माण हेतु एक पसंदीदा स्थान बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि व्यापार संतुलन को स्थापित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के कार्य में एमएसएमई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और यह उनकी विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समग्र दृष्टिकोण अपनाने से भारत एक वैश्विक विनिर्माण और अग्रणी निर्यात केंद्र बन जाएगा।

केन्द्रीय एमएसएमई राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने उस समय को याद किया जब देश के शक्तिशाली व्यापार और निर्यात के कारण वैश्विक व्यापार में भारत की एक बड़ी हिस्सेदारी थी। उन्होंने कहा कि एमएसएमई निर्यात भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को बहाल करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाने जा रहा है। भारत के भौगोलिक विस्तार में फैले 63 मिलियन से अधिक एमएसएमई के साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत के कुल निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं, जो देश के विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र से सकल घरेलू उत्पाद का 24.63 प्रतिशत योगदान देता है।

इंडियाएक्सपोर्ट्स का लक्ष्य एमएसएमई को निःशुल्क बढ़ावा देना है, इसके प्रमुख उद्देश्यों में मौजूदा टैरिफ लाइनों में अप्रयुक्त निर्यात क्षमता पर ध्यान केंद्रित करना और एमएसएमई का समर्थन करने के उद्देश्य से इसकी निर्यात संख्या में बढ़ोत्तरी तथा वर्ष 2022 में एमएसएमई निर्यात को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने और 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को पूरा करने में योगदान देना है।

इस पहल में एक इंफो पोर्टल है जो भारतीय एमएसएमई द्वारा निर्यात किये जाने हेतु ज्ञान के आधार के रूप में कार्य करता है, जिसमें संभावित बाजारों के साथ-साथ निर्यात, इससे जुड़ी प्रक्रियाओं और अन्य आवश्यक जानकारी के साथ-साथ सभी 456 टैरिफ लाइनों के लिए निर्यात क्षमता से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध है। इसमें एक निर्यात हेल्प डेस्क के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में विशिष्ट उत्पादों में अवसरों को सामने रखने वाले विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सत्रों की एक श्रृंखला के माध्यम से एमएसएमई को प्रशिक्षक के नेतृत्व वाला प्लेटफार्म भी प्रदान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य 1 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को लाभान्वित करना है जो निर्यात के बारे में अधिक जानने के इच्छुक हैं, और 30,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को निर्यात शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके सक्रिय निर्यातकों की संख्या को दोगुना करना है।

केवीआईसी ने मुख्यालय, मुंबई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

2021 का सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2021 तक "स्वतंत्र भारत @ 75: अखंडता के साथ आत्मनिर्भरता" विषय के साथ मनाया गया।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देश के अनुसार, केवीआईसी ने अपने मुख्यालय, मुंबई और क्षेत्रीय कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। केवीआईसी की मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. संघमित्रा ने केवीआईसी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई और सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा अपनाने के लिए प्रेरित किया।

केवीआईसी के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'उपचार से बेहतर बचाव है। सतर्कता निदेशालय ने निवारक सतर्कता और आचरण नियमों पर एक प्रस्तुतिकरण भी किया।

इस अवसर पर केवीआईसी कर्मचारियों के सहयोग से प्रचार निदेशालय द्वारा निवारक सतर्कता पर "ईमानदारी के साथ आत्मनिर्भरता" विषय के साथ तैयार की गयी एक सूचनात्मक ऑडियो-विजुअल लघु फिल्म क्लिप दिखाई गई।

केवीआईसी की मुख्य सतर्कता अधिकारी ने यह भी बताया कि सतर्कता / अनुशासनात्मक मामलों पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।

विभागीय कार्यालय, मदुरै में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केवीआईसी ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

राज्य कार्यालय, महाराष्ट्र

सीबी कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली

राज्य कार्यालय, रायपुर

विभागीय कार्यालय, वाराणसी

राज्य कार्यालय, शिमला

एमडीटीसी, त्रिचूर

राज्य कार्यालय, त्रिपुरा

राज्य कार्यालय, देहरादून

विविध

आंचलिक स्तरीय पीएमईजीपी बैठक

आयोग के आंचलिक कार्यालय, कोलकाता द्वारा 5.10.2021 को बैंकरों और कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ आंचलिक स्तरीय पीएमईजीपी बैठक आयोजित की गयी, जहां निदेशक एमएसएमई, भारत सरकार; केवीआईसी सदस्य (पूर्व क्षेत्र); आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी; उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पीएमईजीपी); निदेशक एमएसएमई, पश्चिम बंगाल; आयोग के पूर्व क्षेत्र के सभी राज्य निदेशक; केवीआईबी, डीआईसी के पदाधिकारी और बैंकों के नियंत्रक प्रमुखों एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरिद्वार में खादी प्रदर्शनी आयोजित

हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड राज्य के मनसा खादी ग्रामोद्योग आश्रम द्वारा आयोजित एक विशेष प्रदर्शनी में 3 अक्टूबर 2021 को एक दिन में 51724 रुपये की खादी की अब तक की सबसे अधिक बिक्री हुई।

इसी तरह, गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर दिनांक 1.10.2021 को राज्य कार्यालय, खादी ग्रामोधोग आयोग, देहरादून (उत्तराखंड) के अन्तर्गत श्री आनंद ग्रामोद्योग समिति, देहरादून द्वारा देहरादून रेलवे स्टेशन पर आयोजित खादी प्रदर्शनी में खादी की बिक्री 41000/- दर्ज की गयी।

152वीं गांधी जयंती के अवसर पर, डॉ. अश्वथ नारायण फाउंडेशन ने आयोग के राज्य कार्यालय, बेंगलुरु के सहयोग से दो दिवसीय खादी मेला 2.10.2021 से 3.10.2021 तक मॉडल स्कूल ग्राउंड, मल्लेश्वरम, बेंगलुरु में आयोजित किया। खादी मेले का उद्घाटन डॉ. सी एन अश्वथ नारायण, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा, आईटी और बीटी, कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका, कर्नाटक सरकार द्वारा किया गया। आयोग के राज्य कार्यालय, बेंगलुरु के राज्य निदेशक डॉ. ई. मोहना राव और उप. निदेशक श्री सेंथिलकुमार रामासामी एवं राज्य कार्यालय, बेंगलुरु के कर्मचारियों ने भाग लिया। मेले में 15 खादी ग्रामोद्योगी संस्थाओं और 5 आरईजीपी/पीएमईजीपी इकाइयां ने भाग लिया। खादी और ग्रामोद्यागी उत्पादों की 6,68,900/- रुपये की बिक्री दर्ज की गयी।

राज्य कार्यालय, जयपुर में गांधी जयंती का आयोजन

दिनांक 2 अक्टूबर 2021 को राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग जयपुर में महात्मा गांधी जी की 152 वी जयंती मनाई गई, इस अवसर पर राज्य निदेशक श्री बद्रीलाल मीना ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं सभी को गांधी जी के सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

विविध

घाटकोपर में जन शिक्षण कार्यक्रम

सी.बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने मेट्रोपोलिटन रेसीडेन्सी वेल्फेअर काऊंसिल, अर्चना महिला सेवा संस्थान के सहयोग से दिनांक 23/10/ 2021को असल्फा व्हिलेज, घाटकोपर पश्चिम, मुबंई में जन शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चमोली में पीएमईजीपी पर ईडीपी

जोशीमठ, चमोली में पीएमईजीपी और अन्य केवीआईसी योजनाओं पर एक उद्यमिता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बहुउद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, खादी और ग्रामोद्योग आयोग सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून के श्री राजेश कुमार ,ओ .एस .डी. तथा श्री शरद मधुकर, कार्यकारी प्रशिक्षण ने हिमान्या सरस बाजार टंगड़ी तल्ली, विकास खंड-जोशीमठ, जिला-चमोली उत्तराखंड के मीटिंग हाल में दिनांक-29-09-2021को श्री हीरालाल पंवार ग्राम प्रधान टंगड़ी तल्ली तथा श्री गोविन्द लाल ग्राम प्रधान टंगड़ी मल्ली दोनों के सहयोग से एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोग के पदाधिकारियों ने केवीआईसी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा जन शिक्षण कार्यक्रम

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली ने एम.डी शाह महिला कॉलेज, मालाड के छात्रों के लिए एक ऑनलाईन जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया। जिसमें एम.डी शाह महिला कॉलेज, मालाड के छात्रों के पालक भी शामिल थे। सी.बी.कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, बोरीवली के निदेशक/ प्राचार्य श्री असद मलिक, कार्यकारी श्री उमाकांत डोईफोडे, कार्यकारी श्री मनिष कुमार शाहू ने आयोग के प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पीएमईजीपी सहित अन्य खादी ग्रामोद्योगी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुम्बई ने दहानू ट्रेनिंग सेंटर को दौरा कर केन्द्र द्वारा उत्पादित उत्पाद जैसे एनएमसी चरखा, सोलर चरखा, एसी ब्लेंडर मशीन, विद्युत चालित कुम्हारी चाक, बी बॉक्स एवं धान निकालने की मशीन का अध्ययन किया एवं दहानू सेंटर से ट्रेनिंग प्राप्त प्रशिक्षु मिस सिद्धि द्वारा लगाई गई अगरबत्ती की यूनिट का भी दौरा किया।

विविध

हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा खादी शोरुम का दौरा

हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने गांधी जयंती के अवसर पर द मॉल, शिमला में खादी शो रूम का दौरा किया। आयोग के राज्य निदेशक, शिमला श्री योगेश जे. भामारे ने खादी संस्था के सचिव एवं राज्य कार्यालय शिमला के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ माननीय मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

राज्य कार्यालय, देहरादून में स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छ भारत अभियान के तहत राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून में दिनांक 01.10.2021 से 18.10.2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया, जिसका शुभारम्भ दिनांक 01.10.2021 को श्री राम नारायण उप निदेशक-प्रभारी द्वारा पूज्य महात्मा गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया एवं उन्होने स्वच्छता पखवाड़े के कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

आयोग के विभागीय कार्यालय, वाराणसी ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया और स्वच्छता का संकल्प लिया।

हरिद्वार में खादी प्रदर्शनी

राज्य कार्यालय, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग उत्तराखंड के तहत मनसा खादी ग्रामोद्योग आश्रम, कान्हेवाली, रायसी, हरिद्वार (उत्तराखंड) द्वारा हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका सह-उद्घाटन 01.10.2021 को श्री एम.के. सिंह, रेलवे स्टेशन अधीक्षक एवं राज्य प्रभारी निदेशक, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून (उत्तराखंड) द्वारा किया गया। प्रदर्शनी को रेल यात्रियों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

रुद्रप्रयाग में पीएमईजीपी पर ईएपी

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 21.10 2021 को जाखधार, ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) में किया गया। आयोग के राज्य निदेशक प्रभारी, देहरादून श्री राम नारायण ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में एजीएम डीआईसी, फील्ड ऑफिसर एसबीआई, फैकल्टी आरएसईटीआई और 4 ग्राम प्रधान के अलावा 70 से अधिक प्रतिभागी मौजूद थे।

देहरादून में पीएमईजीपी पर ईएपी आयोजित

विभागीय बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा गांधी जयंती के शुभ अवसर पर दिनांक 02-10-2021 को ग्राम एवं पोस्ट-बड़ागांव विकास खंड-जोशीमठ जिला चमोली में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता का आयोजन किया गया।

देहरादून में खादी प्रदर्शनी आयोजित

सीजीएसटी ऑडिट कमिश्नरेट, देहरादून के कार्यालय में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आयुक्त श्रीमती शाहला खान ने किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शित खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों की सराहना की और अपने कार्यालय के साथ-साथ व्यक्तिगत उपयोग के लिए बहुत सारी चीज़ें खरीदी हैं।

इस अवसर पर श्री एस.के. शुक्ला संयुक्त आयुक्त, श्री आलोक मणि शर्मा, सहायक आयुक्त, श्री प्रवीण डबराल, एडब्ल्यूएफटी, श्री सोम पाल, सचिव, श्री आनंद ग्रामोद्योग समिति के अलावा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाराणसी में एनएमसी का सजीव प्रदर्शन

152 वीं गांधी जयंती के अवसर पर केवीआईसी के मंडलीय कार्यालय, वाराणसी और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई अड्डा की निदेशक श्रीमती आर्यन सान्याल की उपस्थिति में गांधी जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक चरखा और एनएमसी का सजीव प्रदर्शन किया गया।

मलयालम सिने सुपरस्टार द्वारा संघ के नए खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों का लोकार्पण

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार श्री सुरेश गोपी ने केरल के एक प्रमुख खादी संस्थान, पय्यान्नूर फिरखा खादी ग्रामोद्योग संघ, पय्यान्नूर का दौरा किया और संघ के नए खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को लोकार्पित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खादी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

विविध

धारावी में केवीआईसी योजनाओं पर जन शिक्षण कार्यक्रम

आयोग के सी.बी. कोरा ग्रामोद्योग संस्थान, मुंबई ने औद्योगिक व्यवसाय मार्गदर्शन केंद्र के सहयोग से दिनांक 14/10/2021 को धारावी में जागरुकता शिविर का आयोजन किया, जहां संस्थान के कार्यकारी श्री उमाकांत डोईफोडे ने महिलाओं को ग्रामोद्योग, लघु उद्योग पर, रोजगार, स्वंयरोजगार के लिए पी.एम.ई.जी.पी. योजना के बारे में जानकारी दी।

देहरादून में पीएमईजीपी पर ईएपी

आयोग के बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून द्वारा हर्रावाला में 15 अक्टूबर 2021 को एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी) आयोजित किया गया, जहां प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों और केवीआईसी के प्रमुख कार्यक्रम पीएमईजीपी के बारे में जानकारी दी गयी।

❄❄

आयोग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर स्वरोज़गार जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

उत्तरकाशी जिले के ब्लॉक प्रखडं सभागार, नौगांव में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अधिक से अधिक स्वरोजगार से जोड़ना है।

कार्यक्रम में सैकड़ों युवा महिलाओं ने हिस्सा लिया तो वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक खंड विकास अधिकारी नौगांव शशि भूषण बिंजोला के द्वारा की गई और डामटा कफनोल वार्ड से जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री विपिन थपलियाल, ब्लॉक मिशन प्रबंधक श्री रविन्द्र नौटियाल राष्टीय आजीविका मिशन नौगांव, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग से श्री राजेश कुमार, श्री सुमन शाह, श्री प्रदीप मल, जिला सहकारी बैंक के प्रबंधक श्री शैलेंद्र अस्वाल, श्री रोबिन वर्मा समाजसेवी आदि उपस्थित रहे।

❄❄

प्रेस कवरेज

Tezpur Buzz
Suggested for you • 3d •
World's largest Khadi National Flag- 225 ft long and 150 ft wide, weighing around 1,000 kg installed in Leh, Ladakh.
World's largest
Khadi National Flag
installed in Leh, Ladakh
on the occasion of 152nd birth anniversary of Mahatma Gandhi
Jhanda Ooncha Rahe Hamara
Travelidea
Stress-Free Travel
@UNBEATABLE PRICES

You Retweeted
Narendra Modi @narendramodi · 23h
This is a unique tribute to respected Bapu, whose passion towards Khadi is widely known.
This festive season, do consider making Khadi and handicraft products a part of your lives and strengthen the resolve to build an Aatmanirbhar Bharat.
Khadi India @kvicindia · Oct 2
#KVIC pays highest tribute to #MahatmaGandhi with world's largest Khadi National Flag (At a height of 225 feet and 150 feet width) displayed in Leh, Ladakh
Jai Hind, Jai Bharat!
#2ndOctober #जय_जवान_जय_किसान #महात्मा_गांधी #GandhiJayanti
#RememberingBapu #Khadi #KhadiIndia
1.1K
5.3K
32.1K

INDIAN ARMY INSTALLS WORLD'S LARGEST NATIONAL FLAG MADE OF KHADI IN LADAKH
INDIA RISING
FLAG WEIGHING 1000 KG CARRIED BY 150 ARMY TROOPS

नवभारत
लेह में लहराया दुनिया का सबसे बड़ा हाथ से बना तिरंगा
1,400 किलो है वजन
तिरंगे की खासियत
मुंबई की कम्पनी ने किया तैयार
जांस्कर रेंज की ऊंचाई 6,000 मीटर
Mumbai Edition
03-October-2021 Page No. 9
epaper.navabharat.com

प्रेस कवरेज

अमर उजाला | देश-विदेश

लेह में विश्व ने देखा सबसे बड़ा खादी का राष्ट्रीय ध्वज

लेह में गांधी जयंती के मौके पर एक विशाल भारतीय राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया। 225 फुट लंबा और 150 फुट चौड़ा यह झंडा दुनिया का सबसे बड़ा खादी का राष्ट्रीय ध्वज है। यही नहीं इसका वजन 1400 किलो के करीब है,जबकि इसे बनाने में लगभग 1.5 महीने का समय लग गया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने यह ध्वज तैयार किया है। ब्यूरो

सकाळ | देशविदेश

लेह : महात्मा गांधी यांच्या १५२ व्या जयंतीनिमित्त येथे दोन हजार फूट उंचीवर जगातील सर्वांत मोठ्या खादीच्या तिरंग्याचे अनावरण झाले.

तिरंग्याची वैशिष्ट्ये	२२५ फूट लांबी	१२५ फूट रुंदी	१,४०० किलो वजन	२००० अनावरण केलेले ज

A khadi tricolour on Bapu's birthday

A 1,000kg handwoven khadi tricolour, the largest in the country, was unfurled atop a mountain overlooking the Leh valley on Saturday to commemorate Gandhi Jayanti.

LG INAUGURATES FLAG

The flag was unfurled by Lieutenant Governor RK Mathur at an event organised by Fire and Fury Corps at the Leh Garrison, a defence spokesperson said. The ceremony was held to commemorate the 152nd birth anniversary of Mahatma Gandhi along with "Azadi ka Amrit Mahotsav", commemorating the 75th anniversary of India's Independence, he said.

LARGEST HANDSPUN FLAG

Over 150 troops of the Indian Army's 57 Engineer regiment carried the flag to the top of a at over … feet above the ground level in Leh. The flag is … largest handwoven and handspun cotton kha… ever manufactured in India and it measures 22… by 150 feet, and weighs 1000 kg, the defence spokesperson said.

World's largest 1,000 kg handwoven khadi national flag installed in Leh on the Mahatma Gandhi's 152nd birth anniversary. —PTI

SUNDAY

Increase in PLA border troops a concern: Gen

13th Round Of Military Talks Likely Next Week

Times News Network

In comments that came ahead of the next meeting of Indian and Chinese military commanders, Army chief Gen M M Naravane said the increase in Chinese troop deployment along the entire border is a matter of concern even as he expressed the hope that the 17-month confrontation in eastern Ladakh would be resolved in the days ahead.

India's largest handwoven khadi tricolour, measuring 225 ft by 150 ft and weighing 1,000kg, was unfurled on a mountain in Leh on Saturday

मुंबई, रविवार, ३ ऑक्टोबर २०२१

जगातील सर्वांत मोठ्या तिरंग्याचे लेहमध्ये अनावरण

२००० फूट … वरण केलेले जमिनीपासूनचे अंतर	१५० ध्वजवाहक जवान

प्रेस कवरेज

सिडबी उत्तराखंड में ₹ 350 करोड़ की फंडिंग करेगा

देहरादून | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड में उद्योगों की स्थापना को सिडबी 350 करोड़ रुपये की मदद देने को तैयार हैं। साथ ही सिडबी राज्य में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने में सहयोगी बनने को भी तैयार है।

सिडबी के अध्यक्ष और एमडी शिव सुब्रमण्यम रमण ने सोमवार को सीएम आवास स्थित कैंप ऑफिस में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने सिडबी से औद्योगिक विकास में सहयोगी बनने की अपेक्षा जताते हुए कहा कि राज्य का वातावरण उद्योगों के अनुकूल है। सरकार का उद्देश्य है कि राज्य में बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई सेक्टर में अधिक से अधिक उद्योगों की स्थापना हो। सीएम ने कहा कि सिडबी द्वारा दिए गए प्रस्ताव के संबंध में राज्य सरकार के स्तर पर जो भी कार्रवाई की जानी होगी, वह प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी।

सिडबी के अध्यक्ष और एमडी ने मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्र सरकार के सिडबी क्लस्टर डेवलपमेंट फंड के तहत उत्तराखंड को फंडिंग की जानी है। सिडकुल के माध्यम से सितारगंज प्लास्टिक पार्क, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग, क्लस्टर काशीपुर खादी माल उत्तराखण्ड तथा अरोमा पार्क उधमसिंह नगर का प्रस्ताव सिडकुल द्वारा तैयार किया गया है।

Gandhi's charkha gets a new spin

While fashion designers are rediscovering the value of slow and sustainable handspun yarn, busy professionals are attracted to its meditative qualities

SonamJoshi@timesgroup.com

Madhav Sahastrabuddhe, Pune
- Makes yarn to clothe entire family
- Holds spinning workshops which are popular with IT professionals

Cotton Rack, Jaipur
- Works with spinners across several states
- Makes 10 different fabrics including thick and fine khaddar

Since 2008, Pune resident Madhav Sahastrabuddhe has been spinning the peti charkha for an hour every day, producing enough yarn to clothe his entire family for a year. The retired mechanical engineer picked up the skill from a Gandhian in Belgaum, Karnataka and started enjoying it so much that he began taking workshops to teach others. "It taught me about the dignity of labour — when you spin, you realise the effort that goes into making something and start honouring the efforts of others," he says.

The charkha is indelibly tied to Gandhi who made it into a social and political statement. Today, this symbol of self-reliance is finding new resonance, both among fashion designers who love its eco-friendly quality as well as spinning enthusiasts who see it as a mindful and spiritual practice.

Sahastrabuddhe, who has held 100-plus workshops across India, says that many participants are young IT professionals. "Many are bogged down by the pressures of a fast-paced and market-driven lifestyle and are looking to slow down," he says. "They find spinning soothing and calming." Among his students is Pankaj Sekhsaria, an associate professor at IIT-B, who spends at least half an hour daily spinning a borrowed charkha. He compares the spindle to another manual machine: the bicycle. "There are similarities in their operation, simplicity, efficiency and their stark relevance in this time of global environmental crisis," he says.

Sahastrabuddhe has younger students too, like a nine-year-old Bengaluru girl who learnt spinning and then taught her school classmates on Zoom during the pandemic last year and a 10-year-old in Chennai who started working on the spindle with her grandmother.

Designers Shani Himanshu and Mia Morikawa, who founded the Delhi-based label 11.11/eleven eleven, want to put handspun fabric on the fashion map. They've developed a lighter denim using indigenous kala cotton and natural dyes. "Denim isn't an Indian fabric and is made industrially so we tried to replicate it by hand," Shani says. "It has low twisted yarn because of hand spinning which enables it to age beautifully the more you wash it."

The team works with spinners in Gujarat, Andhra, Ladakh and UP, many of them women who do the spinning at home. Their yarn carries information on the spinner who made it. "The idea was to give recognition to spinners," says Shani, who also takes spinning classes for design students.

There are several kinds of charkhas: while the peti charkha is compact and portable, the Amber charkha is semi-mechanised and contains several spindles. There are also solar charkhas used by the Khadi and Village Industries Commission.

Jaipur-based designer Rameshwari Kaul of Cotton Rack began working with the charkha out of a desire to go back to the basics. "There is nothing more basic than handspun, handwoven cotton," she says. Today, the brand works with 19 spinners in Rajasthan, West Bengal, Kashmir and UP, who work on peti and Amber charkhas to produce 10 different fabrics such as a thick, zero-count absorbent khaddar from Rajasthan and a finer 100-count variety from Bengal.

With growing consciousness about sustainable fashion, Bengaluru-based entrepreneur Ravi Kiran, whose brand Metaphor Racha sources hand-spun fabric from artisans in north Karnataka, feels khadi is a fabric of the future. "With the world moving towards renewable energy, here is a fabric in our backyard which doesn't require any energy to make," Kiran says.

Others are adapting the charkha to respond to the concerns of the 21st century. Pune-based reCharkha upcycles single-use plastic into handbags, home décor items, laptop sleeves and other accessories. "I wanted to marry the two concerns of tackling plastic waste and giving livelihood to tribal communities in my childhood home of Dadra Nagar Haveli," says founder Amita Deshpande. The brand recycles around one tonne of plastic in two months. This is collected from waste pickers and individual donors, washed, sorted, and cut into a strip-like shape that can be used on the charkha, which spins plastic into reels that are converted to fabric on handlooms.

For New York-based Indian designer Shradha Kochar, the peti charkha has been a constant companion even as she moved across continents. "It is mobile and I can move houses and countries with it," says Kochar who makes sculptures and wearable pieces. "In New York, I take the charkha to parks and just spin fibre."

Kochar learnt how to spin five years ago during a visit to Gujarat and was drawn by the charkha's repetitiveness and "the rhythm that you need your hand and body to have."

With inputs from Sharmila Ganesan Ram

प्रेस कवरेज

www.jagran.com

सिल्क साड़ी व हर्बल उत्पादों का जादू

सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का जायजा लेते निदेशक डा. डीएस भाटी • जागरण

जागरण संवाददाता, वाराणसी : 'खादी के धागे-धागे में अपनेपन का अभिमान भरा, माता का इसमें मान भरा अन्यायी का अपमान भरा...' ये पंक्तियां आज से 100 साल पहले 'खादी गीत' शीर्षक से लिखी गई थी जब सन 1921 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को आमंत्रित किया गया।

गांधीजी के स्वागत में सोहन लाल द्विवेदी ने इस गीत को प्रस्तुत किया था। तब से लेकर अब तक खादी ने रेशे-रेशे में भाई का प्यार, मां-बहनों का सत्कार व बच्चों का मधुर दुलार का अहसास कराता आया है। इसे और प्रभावी बनाया है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने। खादी को बढ़ावा देने के लिए, उन्होंने नारा दिया 'राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी'।

इसी का परिणाम है कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की रुद्राक्ष में लगी राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी में लोगों ने चार दिन में लगभग 60 लाख रुपये के खादी उत्पाद की खरीदारी कर डाली।

मंडलीय कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, सिगरा में 17 अक्टूबर से लगी प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त उत्तराखंड, जम्मू एंड कश्मीर, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र एवं हरियाणा की खादी और ग्रामोद्योग संस्थाएं तथा पीएमईजीपी ईकाइयां अपने उत्कृष्ट एवं आकर्षक खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के साथ भाग ले रही हैं। इस प्रदर्शनी में लगभग 100 सुसज्जित स्टालों का निर्माण किया गया है।

उत्साह

- रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की प्रदर्शनी में 60 लाख का कारोबार
- 31 अक्टूबर तक रहेगी प्रदर्शनी 100 से अधिक स्टालों पर विभिन्न उत्पाद लोगों को भा रहे

"राज्यस्तरीय खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 31 अक्टूबर तक रहेगी। शनिवार तक 60 लाख की हो चुकी है। खादी उत्पाद ग्राहकों की पहली पसंद बनने से स्थितियां काफी उत्साहजनक है।'
– डा. डीएस भाटी, निदेशक, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग।

खादी प्रेमियों के लिए विभिन्न उत्पाद है उपलब्ध

सूती खादी, ऊनी खादी, सिल्क खादी, पोली खादी एवं रेडिमेड गारमेंट्स (लेडिज एवं जेंट्स) जैसे सलवार सूट, शाल, साड़ी, शर्ट, जैकेट, कुर्ता एवं पायजामा इत्यादि। इसमें मुख्य रूप से शर्ट, जैकेट, सिल्क की साड़ी एवं रेडिमेड गारमेंट इत्यादि ग्राहक अधिक पसंद कर रहे हैं एवं उसकी अच्छी खरीदारी भी की जा रही है।

ग्रामोद्योग उत्पाद ने ग्राहकों पर छोड़ी छाप

प्रदर्शनी में लगे ग्रामोद्योग उत्पादों को भी काफी पसंद किया जा रहा है। कई-कई स्टालों पर तो लोग सामान खरीदने से पहले उसके स्वाद का आनंद भी ले रहे हैं।

ऐसा ग्राहकों को कम ही मौका मिलता है जब खरीदारी से पहले उसका स्वाद ले लें। हर्बल उत्पाद, आचार मुरब्बा, पापड़, कश्मीरी शहद, ड्राई फ्रूट्स, मिट्टी से बने कलात्मक एवं सजावटी सामान, कारपेट, चर्म से बने उत्पाद एवं साबुन तेल प्रदर्शनी की शोभा बढ़ा रहे हैं।

मिट्टी से बने कलात्मक एवं सजावटी सामान, फुटवियर एवं लेदर गुड्स के उत्पादों के साथ अचार-मुरब्बा की खरीदारी भी ग्राहकों द्वारा जमकर की जा रही है।

शासन-कर्मचारियों की खबरें | देहरादून | मंगलवार, 28 सितंबर 2021 | 3

सिडबी 350 करोड़ से राज्य में बनाएगा एमएसएमई क्लस्टर

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के प्रबंध निदेशक ने की सीएम धामी से मुलाकात

अमर उजाला ब्यूरो

सीएम धामी से भेंट करते शिवा सुब्रमणियम रमन और अन्य। •अमर

देहरादून। उत्तराखंड में औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) वित्तीय सहयोग देगा। इसके लिए सिडबी की ओर से राज्य में 350 करोड़ की लागत से एमएसएमई क्लस्टर विकसित किया जाएगा।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सीएम आवास स्थित कैंप कार्यालय में सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शिवा सुब्रमणियम रमन ने भेंट की। इस दौरान प्रदेश में औद्योगिक निवेश को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का वातावरण उद्योगों के अनुकूल है। राज्य में बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई क्षेत्र में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार प्रयासरत है। इसके लिए उद्योगों के अनुकूल नीतियां तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिडबी की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर सरकार के स्तर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि सिडबी की ओर से राज्य में 350 करोड़ से एमएसएमई क्लस्टर विकसित कर औद्योगिक विकास में सहयोगी बनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सिडबी क्लस्टर डेवलपमेंट फंड के तहत राज्य को यह फंडिंग की जानी है।

बोले सीएम- राज्य के औद्योगिक विकास में सहयोगी बने सिडबी

सिडकुल के माध्यम से सितारगंज प्लास्टिक पार्क, इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग, काशीपुर खादी मॉल, ऊधमसिंह नगर में परोमा पार्क का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसे राज्य वित्त विभाग के स्तर से केंद्र सरकार से सिडबी फंड को मंजूरी के लिए भेजा जाता है। इस मौके पर अपर प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सिडबी के सीजीएम डॉ. आरके सिंह, जीएम आशु तिवारी आदि उपस्थित थे।

KHADI GETS A CHIC, CONTEMPORARY SPIN

Today, on Gandhi Jayanti, we explore how young Indians are embracing this humble, handwoven fabric

SUSHMA
2nd HOME ON HILLS AT KASAULI

Saturday, October 02, 2021

गौ उत्पादों को लेकर दिया प्रशिक्षण

- प्रशिक्षण शिविर में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र ने किया जागरूक

भास्कर समाचार सेवा

पूर्व सीएम को सम्मानित करते प्रशिक्षण केंद्र के सदस्य।

देहरादून। हर्रावाला क्षेत्र में आर्य समाज डिफेंस कॉलोनी के तत्वावधान में चल रहे श्री वंसी गोधाम गोमय कला प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षण शिविर में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की उपस्थिति रही जिन्होंने सभी गौ भक्तों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान खादी ग्राम उद्योग आयोग के राज्य निदेशक राम नारायण ने सभी गौ भक्तों को खादी ग्राम आयोग में चल रही सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

गोधाम के संस्थापक नीरज चौधरी ने गौ संवर्धन एवं गौ संरक्षण के कार्यों को बताते हुए लगभग 50 से अधिक गोमय उत्पादों एवं उत्पादों की वि-निर्माण इकाई स्थापित करने, उत्पादों के विज्ञापन से लेकर के बाजारीकरण तक सभी बिंदुओं पर एवं भारत सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को गाय से जोड़कर, समाज व भारत के गांव को समृद्ध, पर्यावरण को स्वच्छ, जीव मात्र के स्वास्थ्य के लिए विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही गोपालन, गौ रखरखाव, उनके चारे का प्रबंधन का प्रशिक्षण भी प्रदान किया। इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए गोमय कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का अंतिम प्रयोगात्मक विषय शनिवार को पूर्ण होगा।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के कार्मिकों ने ली शपथ

जागरूकता शिविर का आयोजन

कर्णप्रयाग। खादी ग्रामोद्योग आयोग ने सिमली में रोजगार सृजन एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में सहायक निदेशक वीएस कंडारी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन/पीएमईजीपी योजना के तहत उत्तराखंड राज्य के सभी जिलों में युवाओं के लिए लघु उद्योग स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। योजना के तहत लघु एवं कुटीर उद्योग की स्थापना करने के लिए 25 लाख तक का ऋण 35 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। इस मौके पर एसबीआई के शाखा प्रबंधक धीरज सिंह, डा. एलपी भट्ट, बीपी सती, जसपाल सिंह, पीतांबरी देवी, रश्मि देवी, राखी देवी और संदीप डिमरी मौजूद थे। संवाद

प्रेस कवरेज

अब युवाओं पर चढ़ा 'खादी' का सुरूर

पुष्पेन्द्र सिंह
patrika.com

गांधीनगर. पहले खादी को आजादी के समय से जोड़ा जाता था। फिर आमजन और नेता खादी के कुर्ता-पायजामा पहनने लगे हैं, लेकिन अब तो युवाओं पर भी खादी का रंग चढ़ा है। अब खादी सिर्फ खद्दर में ही नहीं है बल्कि सूती व सिल्क के रंगबिरंगे डिजाइन में भी नजर आने लगी है। यदि पिछले एक दशक में देखा जाए तो खादी की खपत में साठ फीसदी तक इजाफा हुआ है।

खादी के नए-नए डिजाइन व आकर्षक पैटर्न युवाओं के पसंद बनते जा रहे हैं। जहां युवा खादी के कुर्ते, जैकेट पसंद करते हैं। वहीं युवतियों और महिलाओं को आकर्षक डिजाइनों और पैटर्न में खादी के टॉप, सूट एवं साड़ी युवा-युवतियां को भा रहे है। यूं तो हमेशा की खादी स्टोर पर युवा - युवतियां अपने पसंदीदा खादी के कपड़ों को खरीदारी करते हैं, लेकिन अक्टूबर माह में विशेष छूट मिलने से खादी की खरीदारी में खासा इजाफा हो जाता है। युवाओं का मानना है कि खादी के कपड़े त्वचा के लिए नुकसान नहीं होते और आराम दायक होते हैं। सूत से बना खादी का कपड़ा जहां गर्मी में ठंडा रहता है और सर्दी में गर्म रहता है।

एक दशक में बढ़ा चलन

खादी ग्रामोद्योग आयोग- गुजरात के निदेशक डॉ. नितेश धवन ने कहा कि एक दशक में खादी का चलन करीब सात फीसदी तक बढ़ा है। खादी अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न में होने से अब युवाओं में खादी के जैकेट, कुर्ता पायजामा का खासा चलन है।

200 करोड़ के खादी का उत्पादन

उन्होंने कहा कि देशभर में जहां खादी ग्रामोद्योग की 2285 संस्थाएं हैं, जबकि गुजरात 222 संस्थाएं हैं। गुजरात में खादी-ग्रामोद्योग में 200 करोड़ उत्पादन होता है। जबकि देशभर में 2200 करोड़ का उत्पादन होता है। इसकी डिमाण्ड सिर्फ परिवानों में ही बल्कि रेलवे, सेना और एयर इंडिया में भी बढ़ी है। रेलवे में तकिया, चद्दर और पर्दा में खादी का इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही खादी बुलन कंबल भी का इस्तेमाल होता है। हालांकि कोविड-19 के चलते पिछले डेढ़ वर्षों से मांग में कमी है। सेना में जवानों की वर्दी, जर्सी और बुलन कंबल के तौर पर खादी की मांग होती है। गुजरात में खादी बनाने के उत्पादों के जरिए बीस हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है।

कौशिक बोले-भाजपा ही गांधीजी के सपनों को कर रही है साकार

देहरादून | विशेष संवाददाता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों को भाजपा साकार कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में जिस प्रकार स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर भारत जैसे आयाम देश के सामने प्रस्तुत किए गए हैं, वह गांधीजी के सपनों को पूरा करने में सिद्ध साबित होंगे।

शनिवार को भाजपा मुख्यालय में गांधी और शास्त्री को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक हरबंस कपूर, प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार, विश्वास डाबर, प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र भसीन, पुनीत मित्तल, आदित्य कुमार, मधु भट्ट आदि थे।

दून में शनिवार को यमुना कॉलोनी के पास खादी स्टोर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक।

संस्कृति और संस्कार से जोड़ती है खादी: कौशिक

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा है कि खादी हमें संस्कृति-संस्कार से जोड़ती है। पीएम मोदी के आह्वान पर भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों की ओर से खादी उत्पाद खरीदने से इस उद्योग को बल मिला है। कौशिक चकराता रोड स्थित गांधी खादी स्टोर पहुंचे थे।

दून में भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान- भाजपा अंबेडकरनगर मंडल कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके साथ ही शक्ति केंद्र, मठ, मंदिर और पार्कों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र भसीन ने पर्यावरण मित्र कृष्णा देवी को सम्मानित किया। कैंट विधायक हरबंस कपूर ने इंद्रानगर और द्रोणपुरी वार्ड में कूड़ा-करकट उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। रायपुर विस के वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मंडल की शिवपुरी कॉलोनी और नवजीवन ग्राम में महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष कमली भट्ट ने बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबड़ और मिठाई भी बांटी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

देहरादून। स्वच्छ भारत अभियान के तहत राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग में 18 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा। शुक्रवार को उप निदेशक प्रभारी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर स्वच्छता पखवाड़े के कार्यक्रम की शुरूआत कर सभी कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष बबलू बंसल, आदित्य चौहान, शेखर नौटियाल, रवि मोहन, विकास बेनवाल, इंद्रमोहन रावत, जगमोहन सिंह रावत, निशांत, रवि भंडारी, शिव मोहन अधिकारी, मनमोहन, विजय काम्बोज, अनिल ठाकुर, प्रमोद शर्मा मौजूद थे।

रोजगार सृजन को जागरूकता शिविर आयोजित

■ कर्णप्रयाग/एसएनबी।

सिमली मे खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग केंद्र सरकार द्वारा संचालित रोजगार सृजन एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सहायक निदेशक वीएस कंडारी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन/पीएमईजीपी योजना के तहत उत्तराखंड राज्य के सभी जनपदों मे युवक-युवतियों को लघु उद्योग स्थापित कर स्वरोजगार के स्वर्णिम अवसर प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना मे लघु एवं कुटीर उद्योग की स्थापना करने के लिए 25 लाख तक का ऋण 35 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। उन्होंने बेरोजगार युवक-युवतियों से केंद्र सरकार की बहुआयामी योजना का लाभ लेने का आह्वान किया। एसबीआई सिमली के शाखा प्रबंधक धीरज सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत उद्योग स्थापित करने वाले अभ्यर्थियों को आवंटित किए जा रहे ऋण का मात्र पांच प्रतिशत अंशदान बैंक मे जमा करना होगा। इस मौके पर गांधी आश्रम के सचिव जसपाल सिंह, सिमली की प्रधान पीतांबरी देवी आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

स्वदेसी की पहल इस वर्ष 2 अक्टूबर को खादी उत्पादों की बिक्री 3.25 करोड़ रुपए जो गत वर्ष थी 2.92 करोड़ रुपए

गुजरात के लोगों को रास आने लगी खादी, खरीदारी में बना रिकॉर्ड

पुष्पेन्द्र सिंह
patrika.com

गांधीनगर. गुजरात के लोगों को खादी रास आने लगी है। इसका अंदाजा गांधी जयंती पर होने वाली खरीदारी से लगाया जा सकता है। इस बार खादी की खरीदारी में रिकार्ड बना है।

गांधी जयंती पर महात्मा की भूमि गुजरात में खादी उत्पादों की बड़े पैमाने पर बिक्री हुई। इस वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर गुजरात के सभी 311 खादी इंडिया केन्द्रों पर खादी उत्पादों की बिक्री 3.25 करोड़ रुपए रही। इसमें गत वर्ष की तुलना में 33.12 लाख रुपए की बढ़ोतरी हुई। यह वर्ष 2020 की तुलना में 11.32 प्रतिशत अधिक है, तब राज्य में खादी की सकल बिक्री 2.92 करोड़ रुपए हुई थी। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान के बाद की स्थिति को देखते हुए इस साल बिक्री का आंकड़ा काफी अधिक है।

खादी की बिक्री को विशेष बढ़ावा देने के लिए, केवीआईसी ने अहमदाबाद, बड़ोदरा, सूरत और राजकोट रेलवे स्टेशनों पर आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में प्रदर्शनी और बिक्री केन्द्र स्थापित किए थे, जहां खादी की 5.14 लाख रुपए की बिक्री हुई। केवीआईसी ने अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर, इसरो और जीएसटी मुख्यालयों में विशेष खादी प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया, जहां खादी उत्पादों को इच्छी खरीदारी हुई।

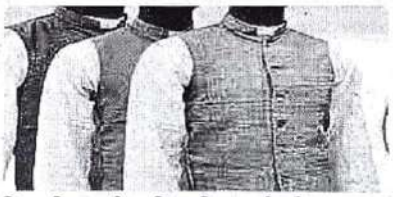

शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी 25 को खरीदेंगे खादी

'खादी फॉर नेशन- खादी फॉर फैशन' के सूत्र को साकार करने के लिए 25 अक्टूबर से शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी सामूहिक तौर पर खादी की खरीदारी करेंगे। बुनाई क्षेत्र में कार्यरत जरूरतमंदों को रोजगार देने और खादी की खरीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके जरिए बुनकरों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही निजी संस्थाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी खादी की खरीदारी के लिए अनुरोध किया गया।

प्रधानमंत्री की लगातार अपील से बढ़ावा

खादी खरीदने और बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार अपील के साथ-साथ गुजरात की जनता के खादी को अपनाने को जाता है। केवीआईसी चुनौतियों के बावजूद उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए बड़े उपभोक्ता आधार को पूरा करने के लिए लगातार नए उत्पाद जोड़ रहा है।

विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष, खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)

जैकेट, कुर्ता-पायजामा का खासा क्रेज

विशेष तौर पर खादी जैकेट, और कुर्ता-पायजामा को लेकर खासा क्रेज है। खादी को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी लगाई जाती हैं। खादी के उत्पादों के जरिए लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

डॉ. नितेश धवन, निवेशक, खादी ग्रामोद्योग आयोग- गुजरात।

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

- इंस्टाग्राम पर

Grid layouts

सोशल मीडिया पर केवीआईसी

इंस्टाग्राम पर

Special days

Events

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?

भारत की आत्मीयता को महसूस करें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia